



कांग्रेस पार्टी ने मुसलमानों को केवल वोट बैंक समझा : जफर गरीब मुसलमानों के हित में है संशोधित वक्फ कानून

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व राज्यसभा संसद जफर इस्लाम ने शनिवार को जमकर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सबका साथ सबका विकास में विश्वास करती है। भाजपा किसी का ठुष्टीकरण नहीं करती ,जो जरूरतमंद हैं उन तक योजनाओं का लाभ पहुंचे यह मोदी सरकार की सोच है। आज केंद्र सरकार की योजनाएं बिना भेदभाव के मुस्लिम समाज तक पहुंच रही हैं। श्री इस्लाम आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 60 वर्षों तक अपने शासन काल में मुसलमानों को केवल वोट बैंक समझा ,और आज भी ऐसा ही समझ रही लेकिन आज समाज

अनुसंधान परिषद की स्थापना संबंधी भारत सरकार की पहल का स्वागत

रांची। भारतीय पशु चिकित्सा संघ ने भारतीय मात्स्यिकी एवं पशुचिकित्सा अनुसंधान परिषद की स्थापना संबंधी भारत सरकार की पहल का स्वागत किया है। इंडियन वेटरनरी एसोसिएशन की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. नंदनी कुमारी ने कहा कि भारतीय पशु चिकित्सा संघ, जो देश के 62,000 से अधिक पशु चिकित्सकों का प्रतिनिधित्व करता है, लंबे समय से पशु चिकित्सा और मात्स्यिकी अनुसंधान के लिए एक अलग शीर्ष निकाय की स्थापना की मांग कर रहा था। इसका मुख्य उद्देश्य केंद्रित अनुसंधान और विकास, समय पर क्षेत्र-विशिष्ट वैज्ञानिक इनपुट देना और नीति कार्यान्वयन के साथ-साथ इन क्षेत्रों को अधिक स्वायत्तता सुनिश्चित करना है। अनुसंधान संस्थानों को लक्षित पाद्यक्रम और दोनों क्षेत्रों के लिए बड़े हुए वित्तपोषण में सहायता करेगा।

बिहार की नहीं झारखंड की चिंता करे झामुमो : प्रदीप

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने शनिवार को झामुमो प्रवक्ता के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि झामुमो बिहार की नहीं झारखंड की चिंता करे। बिहार में तो वे बिना बुलाए मेहमान की तरह टहल रहे। कहा कि इंडी गठबंधन के सभी घटक दलों को चाहे कांग्रेस हो या झामुमो या राजद सभी को देश की संवैधानिक संस्थाओं से परेशानी है। इन्हें न संसद पर भरोसा है न संविधान पर और न ही संवैधानिक संस्थाओं पर।

उन्होंने कहा कि जिस चुनाव आयोग पर ये बार बार हमला बोलते हैं उसी चुनाव आयोग के परिणाम से सत्ता में बैठे हैं लेकिन जब इन्हें हार का भय सताता है तो फिर इन्हें सब गलत लगने लगता

गुरुजी को दवा के साथ दुआ की जरूरत : पांडेय

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में 19 जून से भर्ती झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और हेमंत सरकार में कॉइन्डेशन कमेटी के चेयरमैन दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। गुरुजी की चिंताजनक स्वास्थ्य को लेकर पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता और केंद्रीय समिति सदस्य मनोज पांडेय ने पार्टी कार्यकर्ताओं और राज्य की जनता के नाम पत्र जारी कर शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए पूजा अर्चना करने का आरान किया है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने बताया कि दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती दिशोम गुरु शिबू सोरेन की



जाग चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीब मुस्लिम समाज को विकास की मुख्य धारा से जोड़ना चाहते हैं इसलिए धार्मिक मामलों में बिना हस्तक्षेप किये समाज के हित में कानून बनाए जा रहे।

उन्होंने कहा कि कहा कि वक्फ संशोधित कानून में धार्मिक मामलों में कोई हस्तक्षेप नहीं किया गया है। केवल कानून के दुरुपयोग को रोकने की दिशा में संशोधन किए गए हैं। इससे करोड़ों लोगों को लाभ

राज्य के एमपीडब्ल्यू स्वास्थ्य कर्मियों का चार जुलाई से चरणबद्ध आंदोलन

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। स्थायी समायोजन की मांग को लेकर झारखंड एमपीडब्ल्यू कर्मचारी संघ 4 जुलाई से पुनः चरणबद्ध आंदोलन करेगा। कर्मी श्रावणी मेला-2025 में प्रतिनियुक्ति का भी बहिष्कार करेंगे। स्वास्थ्य विभाग और राज्य सरकार की वादाखिलाफी के कारण राज्य के सभी एमपीडब्ल्यू स्वास्थ्य कर्मियों में रोष व्याप्त है। यह जानकारी राज्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार और प्रदेश महासचिव मंगल हेब्राम ने दी।

वक्फ कर्मचारी संघ की मांगें : एमपीडब्ल्यू (एम) स्वास्थ्य कर्मियों को स्थाई करने के लिए बनी संचिका पर वित्त विभाग द्वारा की गई आपति/क्वेरी का निष्पादन करते हुए प्रशासी पदवर्ग समिति से सहमति प्राप्त करते हुए हुए मंत्रिपरिषद से अविलंब पारित

कराया जाये। एमपीडब्ल्यू स्वास्थ्य कर्मियों के स्थाई समायोजन की संचिका दबाकर रखने वाले, उनका शोषण करने वाले संबंधित डीलिंग क्लर्क का अविलंब स्वास्थ्य निदेशालय से प्रतिनियुक्ति समाप्त की जाये।

झारखंड एमपीडब्ल्यू कर्मचारी संघ के सदस्य 4 से 6 जुलाई तक राज्य भर में काला बिल्ला लगाकर काम करते हुए अपना विरोध दर्ज करेंगे। राज्य भर के सभी कर्मी 7 और 8 जुलाई को अपने-अपने शरीर पर मांगों के समर्थन में कार्य करते हुए मांगपत्र की तख्ती लगाकर विरोध दर्ज करेंगे। सभी कर्मी 9 और 10 जुलाई को सामूहिक अवकाश पर रहते हुए भूख हड़ताल करेंगे। संघ के पदधारियों के मुताबिक मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर मजबूरन 11 जुलाई को अपर मुख्य स्वास्थ्य सचिव के कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

झामुमो ने निर्वाचन आयोग और आरएसएस की मंशा पर उठाये सवाल

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू किये गये गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम का विरोध किया है। पार्टी का आरोप है कि यह कदम बिहार में अफरा-तफरी का माहौल पैदा करने की कोशिश है, जिससे राष्ट्रपति शासन का रास्ता तैयार हो सके।

झामुमो ने आरएसएस के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के बयान का भी विरोध किया है, जिसमें उन्होंने संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद और धर्मनिरपेक्ष कानून को हटाने की मांग की है।

झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि यह मांग संविधान विरोधी है और इसका

धार्मिक मामले तो मुस्लिम समाज वीके लोग ही देखेंगे। उन्होंने कहा कि न्यायालय ने भी नए कानून को सही ठहराते हुए केवल कुछ जानकारियां चाही है।

कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी भले शायरी के माध्यम से शब्दों का खेल खेल सकते हैं लेकिन संशोधित वक्फ कानून का विरोध कर मुस्लिम समाज का भला नहीं कर सकते। कहा कि कांग्रेस पार्टी के दुष्प्रचार और विरोध के बावजूद यह संसद के दोनों सदनों में लोकतांत्रिक तरीके से पारित और महामहिम राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से बना हुआ कानून है।

और गरीब मुस्लिम समाज के चेहरों पर मुस्कान लाने वाला है।कांग्रेस पार्टी को लोगों को गुमराह करने से बाज आना चाहिए। प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक,प्रवक्ता अविनेश कुमार सिंह उपस्थित थे।

संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद एवं धर्मनिरपेक्ष शब्द भारत की आत्मा को कस्तर है प्रतिबिंबित : सोनाल

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा है कि ‘धर्मनिरपेक्ष’ और ‘समाजवाद’ संविधान की प्रस्तावना के सिर्फ दो शब्द नहीं बल्कि भारत की आत्मा को विश्व जगत में दर्शकों से प्रतिबिंबित करने का मूल है, जिस पर देश की जनता को अभिमान है। उन्होंने कहा कि आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले द्वारा इन शब्दों को प्रस्तावना से हटाने और इसका समर्थन केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं दिलीप सिंह द्वारा किया जाना भाजपा के मूल उद्देश्य संविधान को बदलने की मंशा को सच साबित करता है। सोनाल शांति ने कहा है कि धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द में पूरे भारत की 140 करोड़ जनता समाहित होती है, धर्मनिरपेक्ष शब्द जहां देश की धार्मिक एकता एवं



अखंडता प्रदर्शित करता है। वहीं समाजवादी शब्द सभी जातियों के सम्मान और अधिकार को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा को संविधान से चिढ़ हैं, क्योंकि यह समानता,अधिकार,न्याय और देश की अखंडता की बात करता है। भाजपा की स्पष्ट मंशा है कि- वह हजारों वर्ष पहले की वर्ण व्यवस्था को देश में लागू करे, लेकिन भारतीय संविधान उन्हें ऐसा करने से रोकता है, इसलिए भाजपा इसमें

विहार चुनाव में झामुमो मजबूती से निभायेगा अपनी भूमिका

बिहार में इंडिया गठबंधन द्वारा सीटों के बंटवारे के सवाल पर भत्ताचार्य ने कहा कि झामुमो बिहार में महागठबंधन और हेमंत सोरेन के नेतृत्व में पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा कि सीटों के बंटवारे पर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है, लेकिन झामुमो अपनी भूमिका को मजबूती से निभायेगा।

कार्यक्रम में आधार कार्ड और इपिक नंबर को भी दस्तावेज के रूप में स्थान नहीं दिया गया है। इससे गरीबों, दलितों और कमाने के लिए बिहार से बाहर गये मतदाताओं के नाम कटेंगे, जिसका सीधा लाभ भाजपा को मिलेगा।

सरकार ने हजारों युवाओं के सपनों को कुचल दिया : बाबूलाल

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रोजगार को लेकर सवाल खड़े किए हैं।



सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि राज्य सरकार और प्रशासनिक तंत्र की मिलीभगत ने झारखंड के नौकरी की आस लगाए बैठे हजारों युवाओं के सपनों को कुचल कर रख दिया है। एक ओर जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा परिणाम पर उच्च न्यायालय की रोक अब तक जारी है। सीआईडी हर बार अधूरी जांच का बहाना बनाकर समय को घसीटीती जा रही है।

परीक्षा कैलेंडर भी रहा नाकाम : बाबूलाल ने आगे लिखा है कि सरकार ने जिस परीक्षा कैलेंडर को बड़े दावे के साथ जारी किया था, उस पर अमल करने की जिम्मेदारी निभाने में अधिकारी पूरी तरह नाकाम रहे हैं। हर बीताता दिन युवाओं की उम्मीदों को कमजोर कर रहा है, लेकिन बीते साढ़े पांच साल तो मानो उनके भविष्य पर एक भारी बोझ बन चुके हैं। राज्य सरकार संवेदनशीलता का परिचय दे और जल्द से जल्द बहाली की प्रक्रिया शुरू करे।

फर्जी बिक्री पट्टा मामले में सुमित और आशा को कोर्ट से अग्रिम राहत

रांची। फर्जी बिक्री पत्ता पर जमशेदपुर स्थित इंडियन बैंक के मुख्य शाखा से 5.61 करोड़ रुपए ऋण लेने से जुड़े मामले में चार्जशीटड आरोपी राजेश्वरी आयरन स्टील कंपनी प्राइवेट लिमिटेड तथा इसके निदेशक लालपुर निवासी सुमित कुमार केजरीवाल एवं आशा केजरीवाल को अदालत ने अग्रिम राहत प्रदान कर दी है। दोनों की ओर से दाखिल अग्रिम जमानत याचिका पर शनिवार को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एसएन तिवारी की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई पत्रत अदालत ने याचिका को स्वीकार किया। सीबीआई ने पिछले महीने जांच पूरी करते हुए इंडियन बैंक के दो प्रबंधक समेत सात के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। जिस पर अदालत ने सज़ान लेते हुए सप्न जारी किया है। 2016 के फर्जीवाड़े को लेकर सीबीआई ने साल 2023 में प्राथमिकी दर्ज की थी।

संविधान को लेकर आरएसएस प्रस्ताव दीर्घकालिक योजना प्रमाण : सीपीआई (एम)

रांची। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना से ‘समाजवादी’ और ‘धर्मनिरपेक्ष’ शब्दों को हटाने के प्रस्ताव की कड़ी भर्त्सना करती है। यह प्रस्ताव आरएसएस की उस दीर्घकालिक योजना का एक और प्रमाण है, जिसका उद्देश्य भारतीय संविधान की आत्मा को नष्ट कर अपने सांप्रदायिक एजेंडे के अनुरूप देश को एक हिंदू राष्ट्र में परिवर्तित करना है। सीपीआई ने कहा है कि भारतीय संविधान हमारे औपनिवेशिक दमन के विरुद्ध चले ऐतिहासिक स्वतंत्रता संग्राम की विविध धाराओं और उसमें शामिल असंख्य बलिदानी स्वतंत्रता सेनानियों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। इसकी प्रस्तावना में ‘समाजवाद’ और ‘धर्मनिरपेक्षता’ जैसे शब्दों को शामिल करना कोई संयोग नहीं, बल्कि यह उन आदर्शों की संवैधानिक पुष्टि है, जिनके लिए शहीद-ए-आजम भगत सिंह और उनके साथियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। सीपीआई ने कहा है कि आरएसएस, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में कोई भूमिका नहीं निभाई, आज उन्हीं मूलभूत मूल्यों को समाप्त करने की हिमायत कर रहा है, यह पाखंड की पराकाष्ठा है।

आरएसएस और बीजेपी के निशाने पर धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद : राजद

रांची। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने आरएसएस और बीजेपी की संविधान विरोधी विचारधारा की कड़ी निंदा की है। राजद के प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने कहा कि आरएसएस के कार्यवाहक सर संचालक दत्तात्रेय होसबोले और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की संविधान की मूल प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद शब्द हटाने की बात बेहद खतरनाक है। कैलाश यादव ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द देश की बहुजन आबादी की रक्षा और सामाजिक उत्थान एवं एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आरएसएस और बीजेपी की इस मंशा को किसी भी हालत में सफल नहीं होने दिया जाएगा। राजद पूरे दमखम से इसका विरोध करेगा। कैलाश यादव ने कहा है कि देश को आजादी से पूर्व और वर्तमान समय तक भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ हिन्दू महासभा के नाम से बाबा साहब अम्बेडकर का प्रतिकार करते रहा है। आजादी के बाद संविधान निमातों बाबा साहब अम्बेडकर ने भारत का समग्र समाज और सामाजिक न्याय और न्यायिक संप्रभुता के रक्षा के लिए चत्तान की तरह मजबूत संविधान बनाया है, जिसके तहत न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका को संपूर्ण अधिकार देने के साथ बहुमत का दुरुपयोग रोकने एवं जनविरोधी बिल लाने व असंवैधानिक निर्णय लेने पर बैरियर भी लगाया है।

एंटानानारिवो की तीन आधिकारिक यात्रा पर रहे केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मेडागास्कर के सशस्त्र बल मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल साहिबेलो लाला मोनजा डेलिफन के साथ द्विपक्षीय बैठक की और भारत और मेडागास्कर के बीच रक्षा सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की, विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में। उन्होंने 27 जून 2025 को मेडागास्कर के प्रधानमंत्री महामहिम क्रिश्चियन नत्साय से भी शिष्टाचार भेंट की और मेडागास्कर की स्वतंत्रता की 65वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

हिंद महासागर क्षेत्र में निकटतम पड़ोसी और सभी विकासशील देशों के रूप में, भारत और मेडागास्कर के बीच दोस्ती और लोगों से लोगों के लंबे समय से संबंध हैं। भारत मेडागास्कर की विकास यात्रा में एक विश्वसनीय और प्रतिबद्ध भागीदार बना रहेगा। रक्षा राज्य मंत्री की यात्रा ने विपिन महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए आपसी और समग्र उन्नति) के अनुरूप मेडागास्कर के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करने की भारत की इच्छा की पुष्टि की है।

अब धर्मांतरण पर लगेगा पूर्ण विराम : विश्व हिंदू परिषद

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने शनिवार को संवाददाताओं से बातचीत मे कहा कि हिंदुत्व की बढ़ती लहर के कारण आज सम्पूर्ण देश नवोत्थान की ओर अग्रसर है। अब हम समाज को अवैध धर्मांतरण के कलंक से मुक्ति तथा हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से बाहर करके रहेंगे। **धर्मांतरण पर पूर्ण विराम लगे :** उन्होंने कहा कि ईसाई मिशनरियों और इस्लामिक ईसाई दलों को भी अब समझना होगा कि उनके कुत्सित षडयंत्र अब सफल नहीं हो



पाएंगे। उन्होंने कहा कि देश के दर्जनभर राज्यों में धर्मांतरण के विरुद्ध कठोर कानून व उसके कड़ाई से पालन करने वाले सरकारों के बावजूद चर्च और जिहादी तत्व, छल या बल पूर्वक धर्मांतरित करने से बाज नहीं आ रहे। साथ ही, मस्जिदों व मंदिरों में बढ़ती बच्चों के साथ व्यवहार को भी अब अलगाववाद की घटनाएं भी किसी कलंक से कम नहीं। अब

लव जिहाद समेत इस प्रकार की सभी घटनाओं पर उन्हें पूर्ण विराम लगाना ही होगा अन्यथा सरकार ही नहीं समाज भी इनसे निपटना अच्छी तरह जानता है। साथ ही उन्होंने कहा कि मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण हिंदू समाज के साथ एक धोखा है। मंदिरों की संपत्ति व प्रबंधन पर कुठाराघात हों या आंध्र प्रदेश में तिरुपति मंदिर के प्रसाद की बात हो और या फिर अभी हाल ही में बंगाल सरकार द्वारा दीधा के जगन्नाथ धाम के प्रसाद की ठेकेदारी हलाल व्यापारियों को देने की बात हो, ऐसी अनेक घटनाओं से स्वतः सिद्ध होता है।





उत्तराखण्ड के जैविक उत्पाद अब दुनिया की पहली पसंद



हाउस ऑफ हिमालयाज से मिला स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरू की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरूप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य करोड़ों की परियोजनाओं के साथ 'हाउस ऑफ हिमालयाज' नामक 'अब्रेला ब्रांड' का शुभारंभ किया था। जिसके तहत, अब समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं। इन उत्पादों की वंचालिटी एवं पैकेजिंग आदि पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजारों तक ले जाने का एक अभिनव प्रयास है। देवभूमि उत्तराखण्ड के उत्पाद स्वाद और सेहत जैसे कई प्राकृतिक गुणों से भरपूर हैं। कुछ समय पहले तक हिमालय की गोद से निकलने वाले ये उत्पाद हिमाद्री, हिमालय और श्रम-श्री जैसे नामों से बाजार में जाने जाते थे। लेकिन, अब ये दमदार उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से जाने-पहचाने

जाते हैं। यानी उत्तराखण्ड के महिला समूहों द्वारा तैयार अलग-अलग उत्पाद अब 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से दुनियाभर में अपना कमाल दिखा रहे हैं। हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखण्ड के उत्पादों को चोकल फॉर लोकल से लोकल टू ग्लोबल बनने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरू की गई है। हाउस ऑफ हिमालयाज की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरूप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

हाउस ऑफ हिमालयाज इसलिए है खास

प्रामाणिकता का आश्वासन: पारंपरिक तरीकों और प्रामाणिक अनुभवों को केंद्र में रखते हुए इस पहल के अंतर्गत बनाए जा रहे उत्पाद उच्च गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरने के बाद ही ग्राहकों तक भेजे जाते हैं। इन उत्पादों की उच्च गुणवत्ता की पुष्टि करने के लिए इन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाता है।

सामुदायिक प्रतिबद्धता: हाउस ऑफ हिमालयाज को चुनने का मतलब है, सार्थक सामाजिक पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का समर्थन करना। इसके हर उत्पाद की खरीद के साथ आप सामाजिक रूप से योगदान दे सकते हैं।

ओपन सोर्सिंग: इस पहल के अंतर्गत सामग्री और उत्पादन प्रक्रियाओं को चुनते समय पूर्ण पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि उपभोक्ता का भरोसा बनाए रखा जा सके।

नैतिकता को प्राथमिकता: स्थायी सोर्सिंग और बेहतर उत्पादन के तरीके अपनाने के साथ यह ब्रांड उन तरीकों को अपनाता है, जिसकी नैतिक तौर पर सराहना की जाती है।

बेहतर ब्रांड अनुभव: उत्पाद की पूरी जानकारी, छोटी से छोटी बाटीकी का ध्यान और बेहतर उत्पाद को शामिल करके यह ब्रांड ग्राहकों को एक बेहतर अनुभव प्रदान करता है, जो हर उपभोक्ता के लिए यादगार अनुभव साबित होता है।



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उत्तराखण्ड की प्रगति का एक ऐसा मॉडल बनाना चाहते हैं, जहां व्यक्ति राज्य की समृद्धि व कल्याण में अपना अपार योगदान दे सकता है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। यह दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड



हाउस ऑफ हिमालयाज

बेहतर गुणवत्ता

हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद बेहद खास हैं, जो अपनी बेजोड़ गुणवत्ता और बेहतर कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। यह बातें उन्हें बड़े पैमाने पर उत्पादन होने वाले दूसरे उत्पादों से विशिष्ट बनाती हैं।



उत्तराखण्ड का भोटिया दन

यह उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा बनाया गया एक पारंपरिक हाथ से बुना हुआ कालीन है। ये कालीन अपनी गर्माहट, टिकाऊपन और जटिल डिजाइन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड थुलमा



थुलमा केवल उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा भेड़ या याक के ऊन का उपयोग करके हाथ से बुना जाता है। ये केवल अपनी गर्माहट, टिकाऊपन के लिए जाने जाते हैं।



उत्तराखण्ड लिखाई (लकड़ी की नक्काशी)

उत्तराखण्ड अपनी बेहतरीन लकड़ी की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है, कुशल कारीगर लकड़ी को जटिल तरीके से तराश कर सुंदर डिजाइन और रूपांकन बनाते हैं।



उत्तराखण्ड बिछुआ बूटी

बिछुआ फाइबर का उपयोग कपड़े, बैग और रस्सियों सहित कई उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है। इसके फाइबर को इसकी मजबूती और पर्यावरण-मित्रता के लिए महत्व दिया जाता है।

देवभूमि के पारंपरिक उत्पाद विशिष्ट जीआई टैग से सम्मानित

जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) शिल्प उत्पाद

भौगोलिक संकेत (जीआई) उन उत्पादों पर प्रयुक्त किया जाने वाला चिह्न है, जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है तथा उनमें उस उत्पत्ति के कारण गुण या प्रतिष्ठा होती है। दूसरे शब्दों में, यह एक प्रमाणिकरण है, जो किसी उत्पाद को किसी विशेष क्षेत्र से उत्पन्न होने की पहचान कराता है, जहां उत्पाद की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य विशेषता अनिवार्य रूप से उसके भौगोलिक उत्पत्ति के कारण होती है।

उत्तराखण्ड के निम्नलिखित शिल्प उत्पादों को भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा जीआई टैग प्रदान किया गया है

नैनीताल मोमबत्तियां (मोमबत्ती)



उत्तराखण्ड अपनी कलात्मक मोमबत्तियों के लिए जाना जाता है, ये मोमबत्तियां अक्सर क्षेत्र के सांस्कृतिक रूपांकनों और प्रतीकों को दर्शाती हैं।

कुमाऊं की रंगवाली पिछोड़ा



रंगवाली पिछोड़ा एक पारंपरिक शिल्प है, जिसमें रंगीन हाथ से छपी/हाथ से बुनी हुई सूती/रेशमी/ऊनी शॉलें बनाई जाती हैं। डिजाइन और पैटर्न कुमाऊं क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।



उत्तराखण्ड ऐपण

ऐपण एक पारंपरिक लोककला है, जिसे चावल के पेस्ट या चाक का उपयोग करके तैयार किया जाता है। धार्मिक और सांस्कृतिक समारोहों के दौरान यह लोककला फर्श, दीवारों या आंगनों पर देखा जाता है।



उत्तराखण्ड तमता उत्पाद

उत्तराखण्ड के कारीगर तांबे का उपयोग करके बर्तन, सजावटी सामान और धार्मिक कलाकृतियां जैसी विभिन्न वस्तुएं बनाते हैं।



चमोली लकड़ी का रावण मुखौटा

रावण मुखौटे लकड़ी से उकेरे जाते हैं और पारंपरिक लोक नृत्यों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों में उपयोग किए जाते हैं।



उत्तराखण्ड रिंगल शिल्प

रिंगल उत्पाद एक प्रकार की स्थानीय घास से तैयार किए जाते हैं। कारीगर इसकी मजबूती और लचीलेपन के कारण चटाई, टोकरी और रस्सी जैसी वस्तुएं बनाने के लिए इसका उपयोग करते हैं।



एक जिला-दो उत्पाद योजना के साथ दुनिया को लुभा रहे उत्तराखण्ड के उत्पाद

जिला	उत्पाद-1	उत्पाद-2
अल्मोड़ा	बाल मिठाई	द्वीड
बागेश्वर	ताम्र शिल्प उत्पाद	कीवी के उत्पाद
चमोली	गुलाब जल	हथकरघा के उत्पाद
हरिद्वार	शहद	जैगरी
चम्पावत	शहद	लोहे के उत्पाद
देहरादून	बेकरी उत्पाद	मशरूम के उत्पाद
रूद्रप्रयाग	चोलाई के उत्पाद	मंदिर अनुकूलि हस्तशिल्प
नैनीताल	ऐपण हस्तशिल्प	फल प्रसंस्करण
पौड़ी	हर्बल मेडिसिन	लकड़ी शिल्प
ऊधम सिंह नगर	मैंथा ऑयल	मूंग ग्रास उत्पाद
उत्तरकाशी	सेब के उत्पाद	लाल चावल
पिथौरागढ़	मुन्स्यारी राजमा	ऊनी कालीन
टिहरी	पनीर	टिहरी नथ

लोकल से ग्लोबल की ओर उत्तराखण्ड के शिल्प और जैविक उत्पाद

पर्यटक अपने यात्रा व्यय का 5%

स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए लोकल फॉर लोकल की बात कही है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने इस योजना को 'वन डिस्ट्रिक्ट-टू प्रोडक्ट' के रूप में आगे बढ़ाया है। बदरीनाथ धाम के निकट माणा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि कहीं भी घूमने जाएं तो अपने यात्रा व्यय का 5 प्रतिशत स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें। इससे स्थानीय आर्थिकी में जबरदस्त परिवर्तन देखने को मिलेगा। किसी भी क्षेत्र की पहचान उनकी भाषा-बोली



एवं स्थानीय उत्पादों से होती है, इनको बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किये जाने चाहिए।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

देश में पहली बार मोबाइल से हुयी ई-वोटिंग

बिहार ने शुरू की नई डिजिटल क्रांति, छह नगरपालिकाओं में डाले गये वोट

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। बिहार ने भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक नई डिजिटल क्रांति की शुरुआत कर दी है। देश में पहली बार मोबाइल से ई-वोटिंग की सुविधा को जमीनी हकीकत में बदलते हुए, तीन जिलों की 6 नगरपालिका में हुए उपचुनावों में हजारों मतदाताओं ने घर बैठे अपने माताधिकार का प्रयोग किया।

पूर्वी चंपारण जिले के पकड़ी दयाल की निवासी विभा देवी ने देश की पहली महिला ई-वोटर बनकर इतिहास रच दिया, जबकि मुन्ना कुमार पहले पुरुष ई-वोटर के रूप में वोट डाला। ई-वोटिंग के माध्यम से कुल 67 प्रतिशत लोगों ने अपने मातृधिकार का प्रयोग किया। बक्सर

पहली महिला वोटर बनी विभा पुरुष मतदाता बने मुन्ना कुमार

जिले की प्रेमावती देवी, जो उम्र के कारण पहले मतदान केंद्र नहीं जा पाती थीं, उन्होंने भी आज मोबाइल से पहली बार वोट डालकर गर्व महसूस कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि मोबाइल से वोट डालना आसान नहीं था, पर बच्चों ने सिखाया और मैंने घर बैठे ही लोकतंत्र में हिस्सा ले लिया। ई-वोटिंग सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक हुई। 67 प्रतिशत ई-वोटर्स ने मतदान में हिस्सा लिया। 80 साल या उससे अधिक उम्र के बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, दिव्यांग, असाध्य रोग से पीड़ित और प्रवासी बिहारियों को ई- मतदान का मौका



दिया गया। बिहार निर्वाचन आयोग के अनुसार यह एक पायलट प्रोजेक्ट है, जिसकी सफलता पूरे देश में ई-वोटिंग प्रणाली के विस्तार की संभावनाएं खोल सकती है। नगर पंतायत के लिए हुए मतदान के नतीजे 30 जून को घोषित किए जाएंगे। बिहार के चुनाव आयुक्त

दीपक प्रसाद ने बताया कि 80 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग, दिव्यांग, गर्भवती महिला, असाध्य रोगों से ग्रसित व्यक्ति और प्रवासी बिहारी मोबाइल के जरिए ई-वोटिंग प्रक्रिया का लाभ उठा सकते हैं। हालांकि, इसके लिए पहले ही रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होता है।

चीन में शीर्ष जनरल नौसेना प्रमुख और परमाणु विज्ञानी हटे

बीजिंग। चीन सेना में भ्रष्टाचार को लेकर शुक्रवार को एक शीर्ष जनरल, नौसेना प्रमुख और एक परमाणु विज्ञानी पर गाज गिरी है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉनिंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, जनरल मियाओ हुआओ के साथ-साथ पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलएन) के चीफ ऑफ स्टाफ वाइस एडमिरल ली हानजुन और चाइना नेशनल न्यूक्लियर कॉर्पोरेशन के डिप्टी चीफ इंजीनियर लियू शिपेंग को नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) से हटा दिया गया है। ली पीए जनरलों और रक्षा उद्योग के कुछ अधिकारियों की कड़ी में नवीनतम हैं, जिन्हें भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे कैपेन के अंतर्गत बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

केंद्रीय सैन्य आयोग चीनी सेना का सर्वोच्च कमान है, जिसका नेतृत्व राष्ट्रपति शी चिनफिंग करते हैं। चीनी सैन्य पदानुक्रम में सबसे युवा जनरल मियाओ पिछले साल नवंबर से अनुशासन के गंभीर उल्लंघन के लिए जांच के घेरे में हैं। उन्हें इस साल अप्रैल में एनपीसी से बर्खास्त कर दिया गया था।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला, 14 सुरक्षाकर्मी मरे

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को टकराया, 24 घायल

► **उसुद अल-हरब ने हमले की ली जिम्मेदारी**

एजेंसी

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले में 14 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि उत्तरी वजीरिस्तान जिले के खड़्डी इलाके में आज सुबह एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को बम निरोधक इकाई के माइन-रेसिस्टेंट एक्स्पा ग्रेनेटेटेड वाहन से टकरा दिया।

घायलों में बच्चे व महिलाएं भी शामिल : 24 घायलों में 14 नागरिक शामिल हैं जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें



से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूत्रों ने बताया कि घटना के समय इलाके में सैन्य गतिविधि जारी रहने के कारण कर्फ्यू लगा दिया गया था। विस्फोट के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि हाफिज गुल बहादुर समूह के एक

उप-गुट, आतंकवादी समूह उसुद अल-हरब ने हमले की जिम्मेवारी ली है। इस घटना को हाल के महीनों में उत्तरी वजीरिस्तान में सबसे घातक घटनाओं में से एक बताया जा रहा है और इसने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

इंदिरा गांधी ने बदला था, संविधान का मूल ढांचा : संबिद पात्रा

नयी दिल्ली। भाजपा ने आपातकाल के दौरान एक अग्रिजी अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि इससे साबित होता है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान के मूल ढांचे से छेड़छाड़ की थी और यह कांग्रेस के मुंह पर एक तमाचा है। भाजपा के प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 25 जून 2025 को देश में आपातकाल के 50 वर्ष पूरे हुए हैं। वह 30 दिसंबर 1975 का टाइम्स ऑफ इंडिया का नेतृत्व में युवाओं और महिलाओं को अहम भूमिका दी जाएगी।



बिहार में हेलीकॉप्टर बाबा ने बनायी वीवीआईपी पार्टी

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सरगमीं बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को पटना में एक नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा की गई, जिसका नाम विकास वॉचत इंसान पार्टी (वीवीआईपी) है। पटना में एक प्रेस वार्ता में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप निषाद उर्फ हेलीकॉप्टर बाबा ने पार्टी के गठन की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने बताया कि यह पार्टी शोषितों, पीड़ितों, दलितों, महादलितों, अल्पत पिछड़ों एवं अल्पसंख्यकों के आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक उत्थान के लिए समर्पित रहेगी। बिहार की राजनीति में पहले से ही विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) है, जो निषादों के हक और अधिकार की बात करती रही



है। प्रदीप निषाद ने नई पार्टी की घोषणा करते हुए कहा कि पार्टी में सभी जाति, धर्म और संप्रदाय के लोगों की पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। खासकर निषाद समाज की सभी उपजातियों को एक सूत्र में बांधकर उनके वाजिब हक और अधिकार दिलाने की दिशा में पार्टी काम करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व में युवाओं और महिलाओं को अहम भूमिका दी जाएगी।

बिहार पुलिस में महिला की संख्या देश में सबसे अधिक

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को बापू सभागार में 21,391 नवनि्युक्त सिपाहियों को नियुक्ति पत्र बांटा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 नवंबर, वर्ष 2005 को नयी सरकार बनी थी, तब से राज्य में कानून का राज है और राज्य सरकार लगातार विकास के काम में लगी हुई है। आज की बहाली के बाद बिहार पुलिस में महिलाओं की संख्या बढ़कर लगभग 36 हजार हो गयी है, जो देश के किसी भी राज्य से अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बनने के पहले पिछली सरकार में क्या स्थिति थी सभी लोग जानते हैं। लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलते थे।



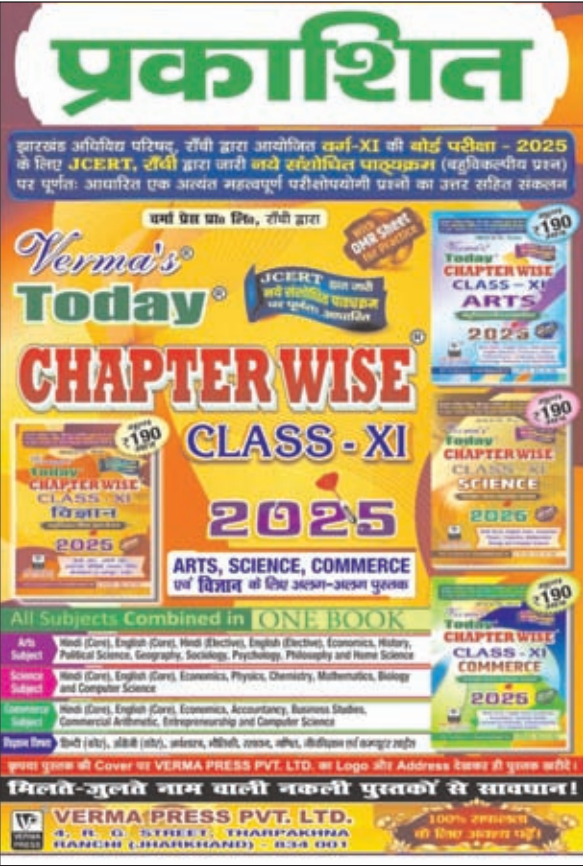
विधि-व्यवस्था का बुरा हाल था। 24 नवंबर, 2005 को राज्य में नई सरकार बनने के समय बिहार पुलिस में कार्यरत बल की संख्या काफी कम थी। उस समय पुलिस में स्वीकृत बल की संख्या लगभग 51 हजार थी। इसके विरुद्ध मात्र

42 हजार 481 पुलिस कर्मी कार्यरत थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका शुरू से कहना है कि राज्य में पुलिस बल की संख्या को और बढ़ाया जाये। इसके लिए वर्ष 2006 से ही पुलिस बल की संख्या में लगातार बढ़ोतरी की गयी। वर्ष

► **64 हजार पदों पर जल्द होगी भर्ती : मुख्य मंत्री**

2013 में पुलिस में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया। वर्ष 2022 में राज्य में पुलिस बल की संख्या बढ़कर 1 लाख 10 हजार हो गयी। वर्ष 2023 में पुलिस सप्ताह कार्यक्रम में हमने राज्य में पुलिस बल की संख्या बढ़ाकर 2 लाख 29 हजार तय कर दिया। इसके बाद इन सभी पदों को भरने के लिए बिहार में पुलिस बहाली का काम तेजी से हो रहा है। 55 हजार पदों को गृह विभाग द्वारा प्रोन्नति दे कर भरा जा रहा है, जबकि 64 हजार पदों पर सीधी बहाली का काम तेजी से हो रहा है मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे खुशी है कि 21 हजार 391 सिपाहियों की सीधी बहाली का

काम पूरा हो गया है। अब इसके बाद 42 हजार 609 सिपाहियों की बहाली पर काम शुरू कर दिया गया है। इनमें से 19 हजार 838 पदों पर बहाली की लिखित परीक्षा अगले ही महीने जुलाई में हो रही है। हमारी इच्छा है कि इसके बाद बचे हुए 22 हजार 771 पदों पर भी बहाली का काम तेजी से हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुलिस को किसी भी तरह के संसाधन की कमी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी थानों में गाड़ियां उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि पुलिस वालों को कार्य करने में, गस्ती के दौरान कहीं आने-जाने में कोई दिक्कत नहीं हो।उन्होंने कहा कि जो कोई भी गड़बड़ करता है, तो उसे छोड़ें नहीं। क्राइम करने वालों से सख्ती से निपटें।



अभिनेत्री इलियाना दूसरी बार बनी मां



नयी दिल्ली। अभिनेत्री इलियाना डीक्रूज दूसरी बार मां बनी हैं और उन्होंने बेटे को जन्म दिया है। इलियाना और उनके पति माइकल डोलन ने सोशल मीडिया पर अपने दूसरे बच्चे के जन्म की जानकारी साझा की। डीक्रूज ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शनिवार को अपने नवजात बेटे की एक तस्वीर पोस्ट कर यह जानकारी साझा की। इलियाना ने 19 जून को जन्मे बेटे का नाम कीनू राफे डोलन रखा है। अभिनेत्री ने तस्वीर के साथ लिखा कि कीनू राफे डोलन का आप सभी से परिचय कराते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है।

छात्रा से गैंगरेप में कॉलेज का सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता के एक विधि महाविद्यालय (कॉलेज) में इस सप्ताह की शुरुआत में प्रथम वर्ष की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में शनिवार को कॉलेज के एक सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही कॉलेज परिसर के सुरक्षा गार्ड कक्ष में हुई इस वारदात के सिलसिले में गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। अधिकारी ने कहा कि पुछताछ के लिए हिरासत में लिए गए सुरक्षा गार्ड को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

उन्होंने कहा कि शनिवार सुबह सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार कर लिया क्योंकि उसके जवाब अस्पष्ट थे। सीसीटीवी फुटेज से कॉलेज में उसकी मौजूदगी की सूचना मिली थी। अधिकारी ने बताया कि गार्ड अपनी ड्यूटी निभाने में विफल रहा। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उस समय वह ड्यूटी पर अकेला था या नहीं। घटना 25 जून की शाम को साउथ

कोलकाता में दरिदगी

राष्ट्रीय महिला आयोग ने बंगाल के मुख्य सचिव को लिखा पत्र

कलकत्ता लॉ कॉलेज में हुई थी। अधिकारी ने कहा कि गार्ड ने इस बात का सही स्पष्ट जवाब नहीं दिया कि उसने उचित कार्रवाई क्यों नहीं की और तीनों आरोपियों को अपराध करने से क्यों नहीं रोका। साथ ही, उसे यह भी बताना होगा कि वह क्यों और किसके निर्देश पर अपना कमरा छोड़कर गया। यह भी अपराध में एक तरह की संलिप्तता है। छात्रा ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि 25 जून की शाम को संस्थान के एक पूर्व छात्र और दो वरिष्ठ छात्रों ने उससे सामूहिक दुष्कर्म किया। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर दक्षिण कोलकाता में हुए सामूहिक बलात्कार मामले में तत्काल कार्रवाई करने और आयोग के सदस्य और पीड़िता एवं उसके परिवार के बीच बैठक के लिए राज्य पुलिस से सहयोग मांगा है।

गैंगरेप मामले की होगी एसीआईटी जांच

कोलकाता। कोलकाता के साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में गैंगरेप की एसआईटी जांच होगी। कोलकाता पुलिस ने एसीपी प्रदीप कुमार घोषाल, एसएसडी को देखरेख में 5 सदस्यीय एसआईटी का गठन कर दिया है। दक्षिण कोलकाता के कस्बा इलाके में एक सरकारी लॉ कॉलेज की 24 वर्षीय छात्रा के साथ कश्चित सामूहिक बलात्कार के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि कश्चित घटना बुधवार शाम 7.30 से 10.50 बजे के बीच हुई, जब महिला आगामी परीक्षा के लिए फॉर्म भरने कॉलेज गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, डॉक्टरों को उसके शरीर पर जबरदस्ती करने, काटने के निशान और नाखून से खरोंच के सबूत मिले हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भरोसा दिया है कि न्याय जरूर होगा। केन्द्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजुमदार को शनिवार को घटना के खिलाफ प्रदर्शन करते समय हिरासत में लिया गया।